पावर केबल निर्माण में अग्रणी केईआई इंडस्ट्रीज अब 132 के.वी. तक के केबल बनाने के लिए पूरी तरह लैस

वाणिज्य प्रतिनिधि

नागपुर, 22 जनवरी. केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड 980 करोड़ रुपये की भारत की सबसे बड़ी केबल निर्माता कंपनियों में से एक है. कंपनी ने इस साल के शुरू में चोपनकी (राजस्थान) में शत प्रतिशत निर्यात उन्मुखी इकाई की स्थापना की है. यह अब 66 के.वी. से लेकर 132 के.वी. तक के ईएचवी केबलों के उत्पादन में पूरी तरह सक्षम है. केईआई ने इसके अतिरिक्त अपनी विकास यात्रा में एक और भी उपलब्धि हासिल की है. इसने 66 के.वी. से अधिक क्षमता वाले केबल निर्माण की आंतरिक क्षमता रखनेवाले कुछ खास गिनेचुने केबल निर्माताओं के समूह में खुद को शामिल कर लिया है. पहले केईआई इंडस्ट्रीज 33 के.वी.तक के एचटी पावर केबलों का उत्पादन करती थी.

केईआई इंडस्ट्रीज की 27 देशों में मजबूत उपस्थिति है. भारतीय बाजार में इसका बढ़ता हुआ हिस्सा 10 फीसदी है. पावर केबल उद्योग में केईआई इंडस्ट्रीज की सफलता की गाथा ने इसको नये आयामों की खोज हेतु प्रेरित किया है. कंपनी ने अपनी वर्तमान क्षमता को बढ़ाने के लिए ट्रोएस्टर जर्मनी से बेहतरीन सीसीवी लाइन को आयात करके स्थापित किया है. सिंगल प्वाइंट ट्रिपल एक्सट्रूजन वाली इस सीसीवी लाइन को बेहतरीन कम्प्यूटरीकृत नियंत्रण और मॉनिटरिंग प्रणालियों के साथ बनाया गया है. अत्याधुनिक ऑनलाइन एक्सरे मशीनें केबल की बनावट की लगातार जांच और मापन करती हैं. साथ ही यह संपूर्ण रूप से परिचालन पर्याप्तता को बढ़ाती हैं. कंपनी ने अपने 66 के.वी. और इससे अधिक वोल्टेज श्रेणियों के उत्पादनों के लिए उत्सुक पूछताछ को स्वीकारना पहले ही शुरू कर दिया है.

केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक अनिल गुप्ता ने कहा कि पावर केबल के उद्योग में हमारी उपस्थिति महत्वपूर्ण है. हम आगे ईएचवी केबलों पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं. केबल और तार कंपनियों के मध्य अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करने के लिएं तथा बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हमें 132 के.वी. तक की क्षमता वाले पावर केबलों के उत्पादन की अपनी क्षमता की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है.

केईआई अगले दो वर्षों में 2000 करोड़ रुपये की कंपनी बनने की दिशा में अग्रसर है.